5. सफलता की कहानी-

तसर रेशम कीट पालक श्री गौतम महातो की कहानी उन्ही की जुबानी

पशिम बंगाल में बंकुरा जिले के रानीबांध ब्लाक के रखडंगा गांव निवासी श्री गौतम माहातो ने बर्ष 1996 से एक प्रगतिशील तसर कीटपालक रुप में काम शुरु किया है। श्री माहातो ने क्षमता निर्माण प्रशिक्षण (सी.बी.टी.) कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 09.03.2015 से 15.03.2015 तक बु.बी.प्र व प्र. के, पटेलनगर में वैज्ञानिक रुप से तसरकीट पालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इस प्रशिक्षण के बाद उन्होंने वैज्ञानिक रूप से तसरकीट पालन शुरु किया एबं इससे बहुत लाभ कमाया। श्री माहातो के परिवार में 07 सदस्य है एबं सभी लोग तसर कीट पालन कार्य में लगे हुए हैं तथा कीट पालन करके खुशी पूर्वक जीवन यापन करते है। श्री माहातो की तसर कीट पालन की 12 सदस्यों की एक टीम है। वे 5.5 हेक्टर भूमि मैं तसर कीट पालन करते हैं एबं हर साल बीज कोशों के लिये 1500 अंडे एवं वाणिज्यक फसलों के लिये 1000 रोग मुक्त चकत्ते का कीट पालन करते हैं। इसके अलावा उनका परिबार धान, गेंहु एवं पशुपालन भी करता है।

श्री गौतम माहातो का बिगत 03 साल का कीटपालन एबं उत्पादन का बिबरण इस प्रकार

क्रमांक	बर्ष	अंडा (बीज)	अंडा (ब्यावसायिक)	बीज कोसा	ब्यावसायिक	बीज (रु)	ब्यावसायिक
1	2015-16	1500	1000	110000	110000	210000	210000.00
2	2016-17	1600	900	120000	100000	240000	200000.00
3	2017-18	1400	1100	110000	105000	220000	210000.00

श्री माहातो ने उनके गांव में जीतने तसर कीट पालक हैं उनकों वैज्ञानिक रुप से तसरकीट पालन हेतु प्रोतसाहन/ प्रशिक्षण दिया जिससे उन लोगों को बहुत लाभ हुआ। अत: श्री माहातो ने तसरकीट पालन के साथ ही साथ धान एबं आदि का कार्य करके अपने परिवार का अच्छी तरह से भरण पोषण करते है।

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. रीता बनर्जी

वैज्ञानिक – डी

बुबीप्रवप्रके, पटेलनगर